Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-I (Gen./Subs)
Date:-

Test of Retention - Recall, Relearning and Recognition methods.

Test of measuring memory (स्मृति मापन की विधियां

(1) प्रत्याह्वान विधि (Recall Method):- यह स्मृति के मापन की सर्वाधिक लोकप्रिय विधि है। इस विधि में पूर्व में सीखे गए पाठ या विषय को व्यक्ति के सामने से हटाकर उसे प्रत्याह्वान करने के लिए कहा जाता है। प्रत्याह्वान की मात्रा जितनी अधिक होती है धारणा उतनी ही प्रबल एवं मजबूत मानी जाती है।

(2) प्रत्यभिज्ञान (Recognition method):- इसमें सीखे गए पाठ या विषय के समान कुछ नए उद्दीपक मिलाकर व्यक्ति के सामने रखे जाते हैं यदि व्यक्ति पूर्व विषय या अधिगम किए हुए हो तो आसानी से नये उद्दीपकों को पहचान लेता है। परन्तु कभी कभी व्यक्ति नये विषय व पुराने विषय में भेद करने में तुक्के (Guessing) का सहारा लेता है जिससे स्मृति का ठीक मापन नहीं हो पाता है अतः शुद्ध प्रत्यभिज्ञान प्राप्तांक निकालने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

$$RSC = (R/N_1 \times 100) - (W/N_2 \times 100)$$

यहाँ RSC = शुद्ध प्रत्यभिज्ञान प्राप्तांक, R = सही प्रत्यभिज्ञान किये गए पदों की संख्या, W = गलत प्रत्यभिज्ञान किये गये पदों की संख्या, N_1 = पहले सीखे

गये सूची के पदों की संख्या, N_2 = समान एवं नये पदों की संख्या।

(3) पुनः सीखना विधि (Relearning Method):- इस विधि का प्रतिपादन एबिंगहास ने किया। इस विधि को बचत विधि भी कहते हैं। इस विधि में व्यक्ति को उसके द्वारा याद की गयी सामग्री को पुनः याद करने के लिये दिया जाता है। इस प्रक्रिया में वह जितने समय एवं प्रयास की बचत करता है वही स्मृति का मापन माना जाता है। इसे हम इस सूत्र से समझ सकते हैं।

$$\text{Saving Percentage} = \frac{\text{original trials} - \text{Relearning trials} \times 100}{\text{original trials}}$$

(4) पुनः निर्माण विधि :- यह विधि भी बहुत कुछ पुनः सीखना विधि के समान है ही है।

end.

Scanned with CamScanner